प्रेस हेतु सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति सं. 71/2020)

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 2020

तुरंत जारी करने हेतु

वेबसाइटः **www.trai.gov.in**

"31 मार्च, 2020 को समाप्त तिमाही के लिए "भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट"

आज भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने 31 मार्च, 2020 को समाप्त तिमाही के लिए **"भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट"** जारी की है। यह रिपोर्ट दूरसंचार सेवाओं का एक व्यापक परिदृश्य उपलब्ध कराती है तथा 1 जनवरी, 2020 से 31 मार्च, 2020 की अवधि के लिए भारत में दूरसंचार सेवाओं के साथ–साथ केबल टेलीविजन, डीटीएच तथा रेडियो प्रसारण सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण मानदण्ड तथा विकास के रूझानों को प्रस्तुत करती है। इसे सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर संकलित किया गया है।

उक्त रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश यहॉ संलग्न है। संपूर्ण रिपोर्ट भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण की वेबसाईट www.trai.gov.in पर उपलब्ध है। इस रिपोर्ट से संबंधित किसी भी सुझाव या स्पष्टीकरण के लिए अधोहस्ताक्षरी (श्री एस. के. मिश्रा, प्रधान सलाहकार (एफएण्डईए), भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली) से दूरभाष–011–23221856 एवं ई–मेल: skmishra.trai@nic.in पर संपर्क किया जा सकता है।

जारी करने के लिए प्राधिकृत

(एस. के. मिश्रा)
प्रधान सलाहकार (एफएण्डईए)

भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादक संकेतक रिपोर्ट
जनवरी से मार्च, 2020

कार्यकारी सारांश

1. देश में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या दिसंबर, 2019 के अंत में 1,172.44 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2020 के अंत में 1,177.97 मिलियन हो गई, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 0.47 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई। पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में वर्ष–दर–वर्ष (वाई. ओ.वाई) आधार पर दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में 0.47 प्रतिशत ह्रास दर दर्ज की गई। देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 31 दिसंबर, 2019 को 88.56 से घटकर 31 मार्च, 2020 को 87.37 रहा।

देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या तथा दूरसंचार घनत्व का रूझान

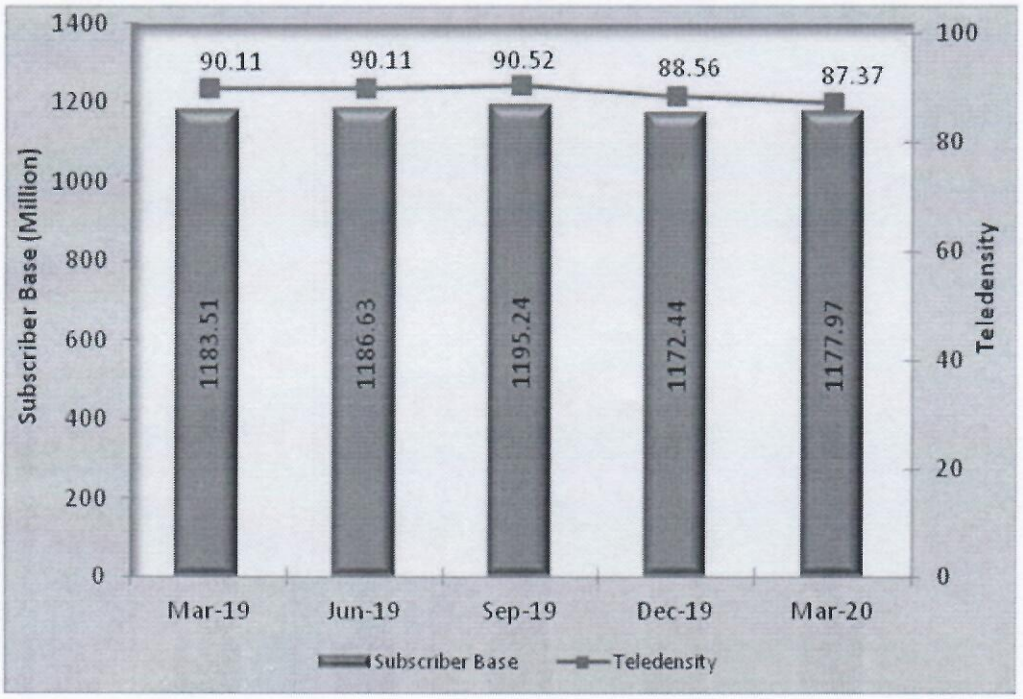

2. दिसंबर, 2019 के अंत तक शहरी क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या 662.45 मिलियन से घटकर मार्च, 2020 के अंत में 656.46 मिलियन हो गया और इसी अवधि के दौरान शहरी दूरसंचार घनत्व 156.26 से घटकर 142.31 हो गया।

3. इस तिमाही के दौरान ग्रामीण दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या 509.99 मिलियन से बढ़कर 521.51 मिलियन हो गया, तथा ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी 56.67 से बढ़कर 58.79 हो गया।

4. कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में से, ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी दिसंबर, 2019 के अंत तक 43.50 प्रतिशत से बढ़कर मार्च, 2020 के अंत तक 44.27 प्रतिशत हो गई।

दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

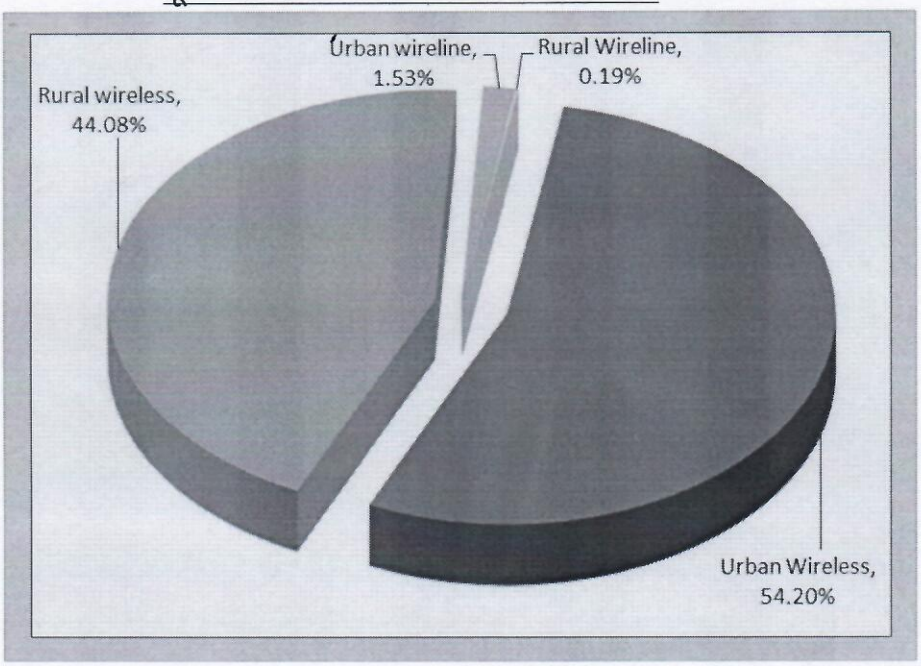

5. इस तिमाही के दौरान 6.31 मिलियन वॉयरलेस उपभोक्ताओं की संख्याओं में निबल वृद्धि के साथ ही दिसंबर, 2019 के अंत तक कुल वॉयरलेस (जीएसएम एलटीई सहित+सीडीएमए) उपभोक्ताओं की संख्या 1,151.44 मिलियन से बढकर मार्च, 2020 के अंत तक 1,157.75 मिलियन हो गया, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 0.55 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई। इसी दौरान वार्षिक आधार पर वॉयरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में 0.35 प्रतिशत की ह्रास दर दर्ज की गयी।

6. वायरलेस दूरसंचार घनत्व 1.28 प्रतिशत की तिमाही ह्रास दर के साथ दिसंबर, 2019 के अंत में 86.98 से घटकर मार्च, 2020 के अंत में 85.87 हो गया।

7. वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या दिसंबर, 2019 के अंत में 21 मिलियन से घटकर मार्च, 2020 के अंत में 20.22 मिलियन हो गया जिसमें 3.74 प्रतिशत की तिमाही ह्रास दर दर्ज की गई और मार्च, 2020 को समाप्त तिमाही अवधि के लिए वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में भी वर्ष–दर–वर्ष (वाई.ओ.वाई.) 6.81 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

8. वॉयरलाइन दूरसंचार घनत्व दिसंबर, 2019 के अंत में 1.59 से घटकर मार्च, 2020 के अंत में 1.50 रह गया।

9. इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या दिसंबर, 2019 के अंत में 718.74 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2020 के अंत में 743.19 मिलियन हो गई जिसमें 3.40 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई। कुल 743.19 मिलियन इंटरनेट उपभाक्ताओं में से वायरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 22.42 मिलियन तथा वायरलेस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 720.78 मिलियन है।

इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

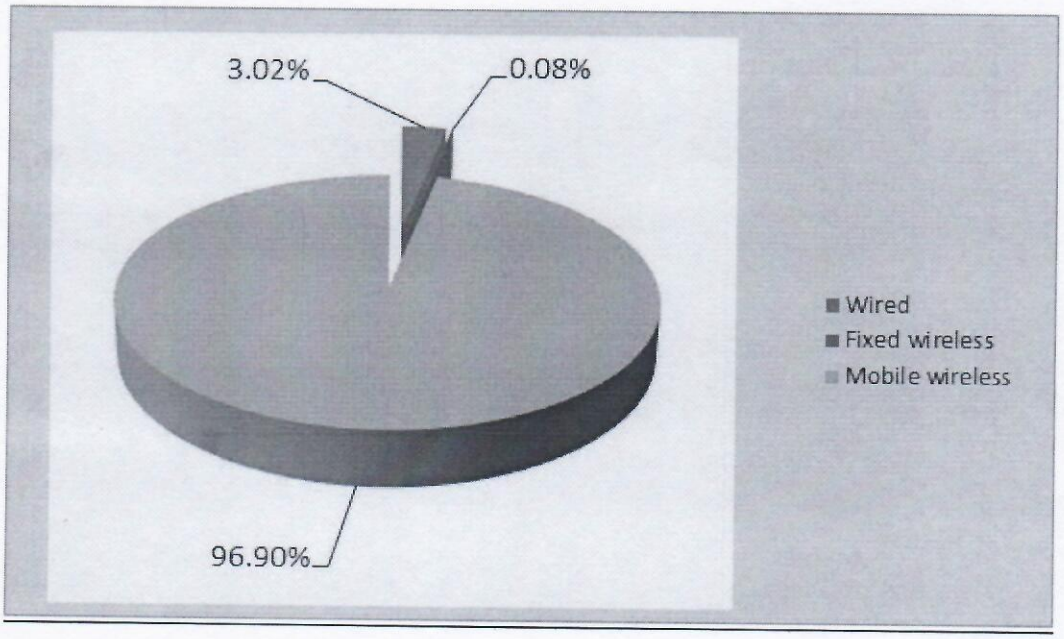

10. ब्रॉडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या दिसंबर, 2019 के अंत में 661.94 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2020 के अंत में 687.44 मिलियन हो गई जिसमें 3.85 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई।

11. नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या दिसंबर, 2019 के अंत में 56.81 मिलियन से घटकर मार्च, 2019 के अंत में 55.75 मिलियन रही जिसमें 1.85 प्रतिशत की तिमाही ह्रास दर दर्ज की गई।

12. वारयलेस दूरसंचार सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) 16.33 प्रतिशत तिमाही वृद्धि दर के साथ दिसंबर, 2019 को समाप्त तिमाही को 78.65 रुपए से बढ़कर मार्च, 2020 को समाप्त तिमाही में 91.49 रुपए हो गया। इसी तिमाही में वर्ष–दर–वर्ष आधार पर मासिक एआरपीयू में 28.15 प्रतिशत की दर से वृद्धि हो गया।

13. वायरलेस सेवा के लिए प्रतिमाह प्रीपेड एआरपीयू मार्च, 2020 को समाप्त तिमाही में 70 रुपए से बढ़कर 84 रुपए हो गया जबकि प्रतिमाह पोस्ट–पेड एआरपीयू 262 रुपए से घटकर 244 रुपए हो गया।

14. अखिल भारतीय औसत आधार पर जीएसएम सेवा के लिए 5.34 प्रतिशत वृद्धि दर के साथ समग्र उपयोग की गई मिनट (एमओयू) प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह दिसंबर, 2019 को समाप्त तिमाही के लिए 712 मिनट से बढ़कर मार्च, 2020 को समाप्त तिमाही के लिए 750 मिनट हो गया।

15. वायरलेस प्रीपेड सेवा के लिए दिसंबर, 2019 को समाप्त तिमाही में एमओयू प्रति उपभोक्ता प्रति माह 716 मिनट से बढ़कर मार्च, 2020 को समाप्त तिमाही में 757 मिनट हो गया। किन्तु पोस्ट–पेड एमओयू प्रति उपभोक्ता प्रति माह दिसंबर, 2019 को समाप्त तिमाही में 632 मिनट से घटकर मार्च, 2020 को समाप्त तिमाही में 611 मिनट हो गया।

16. मार्च, 2020 को समाप्त तिमाही के लिए दूरसंरचार सेवा क्षेत्र हेतु सकल राजस्व (जीआर) तथा समयोजित सकल राजस्व (एजीआर) क्रमशः 67,533.74 करोड़ रुपए तथा 44,940.32 करोड़ रुपए रहा। मार्च, 2020 को समाप्त तिमाही में पिछली तिमाही के मुकाबले जीआर तथा एजीआर दोनों में क्रमशः 5.91 प्रतिशत तथा 9.94 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई।

17. पिछले वर्ष की इसी तिमाही में जीआर तथा एजीआर में वर्ष–दर–वर्ष (वाई.ओ.वाई.) वृद्धि दर क्रमशः 15.61 प्रतिशत तथा 25.07 प्रतिशत दर्ज की गई।

18. मार्च, 2020 को समाप्त तिमाही के लिए पास–थ्रू–प्रभार पिछले तिमाही के 22,887 करोड़ रुपए से घटकर 22,593 करोड़ रुपए हो गया। पास–थ्रू–प्रभार में तिमाही ह्रास दर 1.28 जबकि वार्षिक वृद्धि दर 0.50 प्रतिशत रही।

19. दिसंबर, 2019 को समाप्त तिमाही के लिए लाइसेंस शुल्क 3,270 करोड़ रुपए से बढ़कर मार्च, 2020 में 3,604 करोड़ रुपए हो गया। इस तिमाही के दौरान लाइसेंस शुल्क में तिमाही तथा वार्षिक वृद्धि दर क्रमशः 10.21 प्रतिशत तथा 24.80 प्रतिशत रही।

समायोजित सकल राजस्व का वितरण

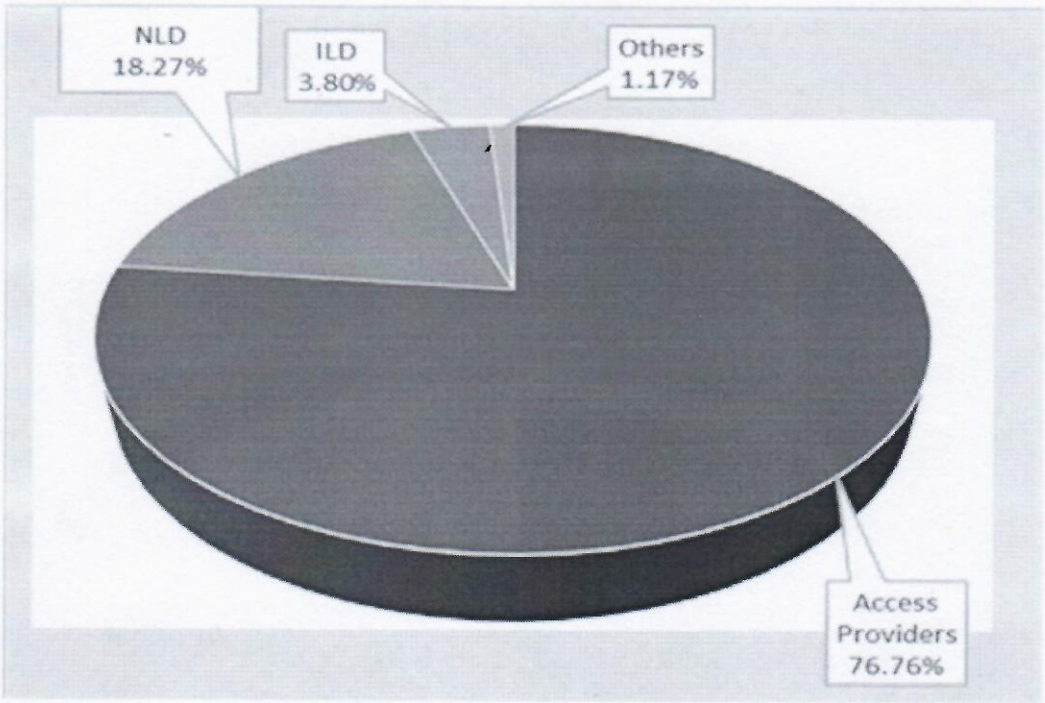

20. एक्सेस सेवाओं ने दूरसंचार सेवाओं के कुल समायोजित सकल राजस्व में 76.76 प्रतिशत का योगदान दिया। मार्च, 2020 को समाप्त तिमाही में एक्सेस सेवाओं में सकल राजस्व (जीआर), समायोजित सकल राजस्व (एजीआर), लाइसेंस शुल्क एवं स्पेक्ट्रम उपयोग प्रभार (एसयूसी) में क्रमशः 8.24 प्रतिशत, 13.76 प्रतिशत, 14.05 प्रतिशत एवं 132.59 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई। जबकि इसी दौरान पास–थ्रू प्रभारों में 2.59 प्रतिशत की ह्रास दर दर्ज की गई।

21. एजीआर आधारित एक्सेस सेवाओं के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) दिसंबर, 2019 को समाप्त तिमाही में 85.07 रुपए से बढ़कर मार्च, 2020 को समाप्त तिमाही में 97.64 रुपए हो गये।

22. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा गुणवत्ता के संदर्भ में वॉयरलाइन सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया है: –

सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड	सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड
पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही में कोई सुधार नहीं देखा गया।	• 'मीन टाइम टू रिपेयर' (एमटीआर) –≤10एचएस • ग्राहक की सहायता के लिए प्रत्युत्तर समय ≥ 95% • 90 सेकण्ड के भीतर प्रचालक (वॉयस टू वॉयस) द्वारा उत्तर दी गई कॉलों का प्रतिशत ≥ 95% • 100 प्रतिशत बंद करने बाद 60 दिनों के भीतर जमा राशि को वापिस देने के लिये गया समय।

23. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा की गुणवत्ता के संदर्भ में वॉयरलैस सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया है:–

सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड	सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड
• कॉल सेंटर/कस्टमर केयर तक पहुंच • 90 सेकण्ड के भीतर प्रचालक (वॉयस टू वॉयस) द्वारा उत्तर दी गई कॉलों का प्रतिशत	• टीसीएच, आरएबी और ई–आरएबी (प्रतिशत) • नेटवर्क क्यूओएस डीसीआर स्थानीक वितरण पैमाना (नेटवर्क क्यूएसडी 90, 90) (प्रतिशत) • नेटवर्क क्यूओएस डीसीआर कालिक वितरण पैमाना (नेटवर्क क्यूटीडी 97, 90) (प्रतिशत) • मीटरिंग तथा बिलिंग क्रेडिबिलिटी –पोस्टपेड • बिलिंग/चार्जिग/वैधता शिकायतों का समाधान (चार सप्ताह के भीतर 98 प्रतिशत) • बिलिंग/चार्जिग/वैधता शिकायतों का समाधान (छः सप्ताह के भीतर 100 प्रतिशत) • शिकायतों के समाधान की तिथि से उपभोक्ता के खाते में राशि जमा/छूट दिए जाने/ समायोजन किये जाने की अवधि • सेवा बंद होने के बाद जमा राशि की वापसी के लिए लिया गया समय।

24 दिनांक 31.03.2020 की स्थिति के अनुसार सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) द्वारा केवल अपलिकिंग/ केवल डॉऊनलिकिंग/अपलिंकिंग एवं डाउनलिंकिंग दोनों के लिये 926 निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों को अनुमति प्रदान की गई है।

25. नये टैरिफ आदेश (ब्रॉडकास्टिंग एवं केबल) दिनांक 3 मार्च, 2017 के तत्वाधान में प्रसारण सेवा प्रदाताओं के द्वारा प्राधिकरण में दिये गये रिपोर्ट के अनुसार, 31 मार्च, 2020 की स्थिति के अनुसार कुल 333 पे–टीवी चैनल थे। इन 333 पे–टीवी चैनलों में 235 एसडी पे–टीवी चैनल एवं 98 एचडी पे–टीवी चैनल शामिल है।

26. वर्ष 2003 में अस्तित्व में आने के समय से भारतीय डीटीएच सेवा में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। देश में पे–डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या मार्च, 2020 के अंत में 4 थी।

27. देश में पे–डीटीएच के कुल औसत सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या 31 मार्च, 2020 को लगभग 70.26 मिलियन हो गया है। यह संख्या दूरदर्शन के निःशुल्क डीटीएच सेवा के उपभोक्तओं की संख्या के अलावा है।

28. ऑल इंडिया रेडियो–सार्वजनिक प्रसारक द्वारा प्रचालित रेडियो स्टेशनों के अलावा, दिनांक 31 दिसंबर, 2019 को 33 एफएम प्रसारकों के द्वारा उपलब्ध कराये गये आंकड़ों के अनुसार 105 शहरों में कार्यरत 368 निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की तुलना में दिनांक 31 मार्च, 2020 को 32 एफएम प्रसारकों के द्वारा उपलब्ध कराये गये आंकड़ों के अनुसार 105 शहरों में कुल 368 निजी एफएम रेडियो स्टेशन कार्य कर रहे थे।

29. प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, विज्ञापन से प्राप्त कुल आय 31 दिसंबर, 2019 को समाप्त तिमाही में 367 निजी एफएम रेडियो स्टेशन के लिए 509.28 रूपये की तुलना में 31 मार्च, 2020 को समाप्त तिमाही में 367 निजी एफएम रेडियो स्टेशन के लिए 400.64 रूपये रहा।

30. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर 31 मार्च, 2020 को देश में कुल 290 सामुहिक रेडियो स्टेशन कार्यरत हैं।

मुख्य झलकियाँ

31 मार्च, 2020 की स्थिति के अनुसार डॉटा	
दूरसंचार उपभोक्ता (वॉयरलेस + वॉयरलाइन)	
कुल उपभोक्ताओं की संख्या	1,177.97 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	0.47 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	656.46 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	521.51 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	88.54 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	11.46 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	87.37
शहरी दूरसंचार घनत्व	142.31
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	58.79
वॉयरलेस उपभोक्ता	
कुल वॉयरलेस उपभोक्ताओं की संख्या	1,157.75 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	0.55 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	638.48 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	519.27 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	89.36 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	10.64 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	85.87
शहरी दूरसंचार घनत्व	138.41
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	58.54
तिमाही के दौरान वायरलेस डाटा यूसेज	23,403 मिलियन टेराबाईट
पब्लिक मोबाईल रेडियो ट्रंक सेवा (पीएमआरटीएस) की कुल संख्या	66,576
वीसैट की कुल संख्या	3,00,686
वॉयरलाइन उपभोक्ता	
कुल वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या	20.22 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	-3.74 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	17.97 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	2.24 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	41.53 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	58.47 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	1.50
शहरी दूरसंचार घनत्व	3.90
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	0.25
ग्रामीण पब्लिक टेलीफोन की संख्या (वीपीटी)	67,762
पब्लिक कॉल ऑफिसों की संख्या (पीसीओ)	1,73,291

दूरसंचार वित्तीय आंकडे	
तिमाही के दौरान सकल राजस्व (जीआर)	67,533.74 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में जीआर में प्रतिशत परिवर्तन	5.91 प्रतिशत
तिमाही के दौरान समायोजित सकल राजस्व (एजीआर)	44,940.32 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में एजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	9.94 प्रतिशत
एक्सेस एजीआर में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की हिस्सेदारी	7.91 प्रतिशत
एक्सेस सेवाओं हेतु प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू)	97.64 रुपए
इंटरनेट/ब्रॉडबैंड उपभोक्ता	
कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	743.19 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	3.40 प्रतिशत
नैरोबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	55.75 मिलियन
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	687.44 मिलियन
वॉययलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	22.42 मिलियन
वॉयरलेस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	720.78 मिलियन
शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	457.23 मिलियन
ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	285.97 मिलियन
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	55.12
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	99.12
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	32.24
प्रसारण और केबल सेवाएं	
केवल अपलिकिंग/केवल डॉऊनलिकिंग/अपलिंकिंग एवं डाउनलिंकिंग दोनों के लिये सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ पंजीकृत निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों की संख्या	926
प्रसारकों के द्वारा रिपोर्ट किये गये पे–टीवी चैनलों की संख्या	333
निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की संख्या (आकाशवाणी के अलावा)	368
पे–डीटीएच सेवा प्रदाताओं के कुल सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या	70.26 मिलियन
चालू कम्यूनिटी रेडियो स्टेशनों की संख्या	290
पे–डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या	4
राजस्व और उपयोग मानदण्ड	
वायरलेस सेवा हेतु प्रति उपभोक्ता औसत मासिक आय (एआरपीयू) (जीएसएम, एलटीई सहित)	91.49 रुपए
वायरलेस सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट (एमओयू) (जीएसएम, एलटीई सहित)	750 मिनट
इंटरनेट टेलीफोनी हेतु कुल बहिर्गामी (ऑऊटगोईंग) उपयोग मिनट	181.34 मिलियन
मोबाइल उपभोक्ताओं के द्वारा डॉटा उपयोग	
वायरलेस सेवा हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह डॉटा उपयोग	11 जीबी
वायरलेस सेवा के लिए प्रति जीबी डाटा का ग्राहक के लिए औसत मूल्य	11.23 रुपए